दैनिक
# न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

**आवश्यक सूचना**

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्याससाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 | Postal Registration No-055/Raigarh DN CG | रायगढ़, शनिवार 08 मार्च 2025 | पृष्ठ-4, मूल्य 3 रुपए | वर्ष-07, अंक- 159

## महत्वपूर्ण एवं खास

### रमजान के बीच छिड़ा गृहयुद्ध, दोनों तरफ से दागे जा रहे रॉकेट लॉन्चर; 70 की मौत

**दश्मिक ।** रमजान के महीने में मुस्लिम देश सीरिया में गृहयुद्ध छिड़ गया है। यह गृहयुद्ध असद समर्थक तो दूसरी तरफ सीरिया की सत्ता में बैठी के बीच हो रहा है। गुरुवार देर रात दोनों गुटों के बीच सीरिया के लटाकिया शहर में भीषण जंग छिड़ गई। कुछ रिपोर्ट के मुताबिक भीषण जंग में करीब 70 लोगों की मौत हुई है। हमलावरों ने एक दूसरे से लडऩे के लिए रॉकेट लॉन्चरों का इस्तेमाल किया है। बशर अल असद का तख्तापलट कर सीरिया की सत्ता में आने वाले हयात-ताहिर अल शम के लड़ाके घरों पर गोलियां बरसा रहे हैं। गोलियां बरसाने का एक वीडियो भी वायरल हो रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक सीरियाई सुरक्षाबलों ने एक इमारत पर ताबड़तोड़ गोलियां चला दी। कहा जा रहा है कि इस इमारत में पूर्व असद शासन के जनरल इंटेलिजेंस रह रहे थे।गोलियां चलाने के बाद इंटेलिजेंस अधिकारी को गिरफ्तार कर लिया गया है। इधर, सीरिया की सीमा में तुर्किए की सेना घुस गई है। तुर्की की सेना बड़े-बड़े टैंक लेकर घुस गई है। एक तरफ रूस से बात कर ट्रंप यूक्रेन में युद्ध रुकवाने की कवायद में जुटे हैं तो दूसरी तरफ हमास और इजराइल को साथ लेकर गाजा में शांति बहाल कर रहे हैं। इधर सीरिया में जिस तरीके से असद और एचटीएस के लड़ाके भिड़ गए हैं, उससे कहा जा रहा है कि आने वाले वक्त में सीरिया में भी युद्ध छिड़ सकता है।

### अब भारत आएगा मुंबई हमले का दोषी, यूएस सुप्रीम कोर्ट ने तहव्वुर राणा की प्रत्यर्पण के खिलाफ याचिका की खारिज

**न्यूयार्क ।** मुंबई आतंकी हमलों के गुनहगार तहव्वुर राणा को फिर झटका लगा है। भारत में अपने प्रत्यर्पण के खिलाफ अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट में दायर उसकी याचिका खारिज कर दी गई है। राणा ने इस याचिका में दावा किया था कि चूंकि वह पाकिस्तानी मूल का मुसलमान है, इसलिए उसे वहां प्रताडि़त किया जाएगा। याचिका में राणा ने तर्क दिया कि भारत में मुकदमे का सामना करने के लिए उसके जिंदा बचे रहने की संभावना कम होगी। इसके लिए राणा ने अपनी गंभीर बीमारियों सहित कई कारकों का हवाला दिया। उसकी याचिका में विशेष रूप से उल्लेख किया गया था कि यदि उसके प्रत्यर्पण पर रोक नहीं लगाई जाती है तो फिर कोई समीक्षा नहीं हो पाएगी। हालांकि, कोर्ट ने याचिका खारिज कर दी। राणा ने याचिका के गुण-दोष के आधार पर (सभी अपीलों की समाप्ति सहित) अपने प्रत्यर्पण और भारत के समक्ष आत्मसमर्पण पर रोक लगाने की मांग की थी। याचिका में राणा ने दलील दी थी कि भारत में उसका प्रत्यर्पण अमेरिकी कानून और यातना के संदर्भ में संयुक्त राष्ट्र का भी उल्लंघन है। याचिका में कहा गया था कि 'यह मानने के लिए पर्याप्त आधार हैं कि यदि उसे भारत प्रत्यर्पित किया जाता है तो याचिकाकर्ता पर प्रताड़ता का खतरा होगा। बता दें कि 64 वर्षीय राणा, पाकिस्तानी मूल का एक कनाडाई नागरिक है। वह वर्तमान में लास एंजिलिस के एक डिटेंशन सेंटर में बंद है। राणा पर आरोप है कि 26/11 हमले के सिलसिले में उसने अपने सहयोगी डेविड कोलमैन हेडली की मदद की थी। हेडली को दाऊद गिलानी के नाम से भी जाना जाता है। उसके पास अमेरिकी नागरिकता थी। उसकी मां अमेरिकी और पिता पाकिस्तानी थे। हेडली मुंबई हमलों के मुख्य साजिशकर्ताओं में से एक है।अमेरिकी अधिकारियों ने उसे अक्टूबर, 2009 में गिरफ्तार किया था।

# मुंबई 26/11 के आरोपी तहव्वुर राणा को अमेरिकी कोर्ट से झटका : प्रत्यर्पण रोकने की याचिका खारिज

**नईदिल्ली ।** आरएनएस

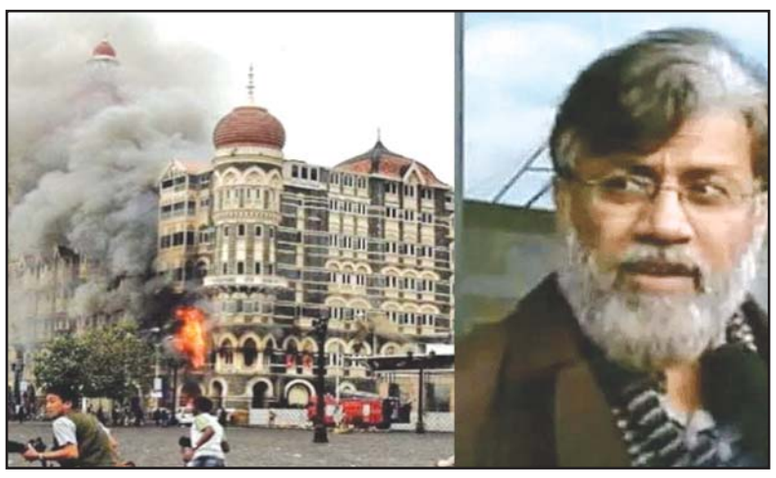

महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई में 26/11 आतंकवादी हमले के आरोपी तहव्वुर राणा को अमेरिका के सुप्रीम कोर्ट से बड़ा झटका लगा है। उसकी प्रत्यर्पण रोकने की मांग वाली याचिका खारिज कर दी गई है।

राणा ने कोर्ट में आपातकालीन अर्जी लगाते हुए भारत को उसके प्रत्यर्पण का विरोध किया था और दावा किया था कि चूंकि वह पाकिस्तानी मूल का मुसलमान है, इसलिए उसे वहां यातना दी जाएगी।

याचिका खारिज होने से राणा का भारत प्रत्यर्पण आसान हो गया है।

पाकिस्तानी मूल के कनाडाई नागरिक राणा ने अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट के एसोसिएट जस्टिस और नौवें सर्किट के सर्किट जस्टिस के समक्ष आपातकालीन स्थगन आवेदन दायर किया था।

याचिका में राणा ने तर्क दिया कि भारत को उसका प्रत्यर्पण अमेरिका के कानून और टॉर्चर के खिलाफ संयुक्त राष्ट्र कन्वेंशन का उल्लंघन है।

याचिका में यह भी कहा गया कि उसकी गंभीर चिकित्सा स्थिति के कारण उसे भारतीय हिरासत केंद्रों में प्रत्यर्पित करना, वास्तविक मौत की सजा के समान है।

राणा ने पिछले साल जुलाई 2024 के मेडिकल रिकॉर्ड का हवाला देकर बताया कि उसे कई गंभीर और जानलेवा रोग हैं।

रिपोर्ट में कई बार दिल का दौरा पडऩा, संज्ञानात्मक गिरावट के साथ पार्किंसंस रोग, मूत्राशय कैंसर का संकेत देने वाला एक द्रव्यमान, स्टेज-3 गंभीर गुर्दा रोग, और गंभीर अस्थमा का इतिहास और कई कोविड-19 संक्रमण शामिल हैं।

बता दें कि राणा ने एक दिन पहले ही सुप्रीम कोर्ट में अपना आवेदन दायर किया था।

राणा के पास प्रत्यर्पण से बचने का ये आखिरी कानूनी विकल्प था। अब उसके भारत आने की संभावना प्रबल है।

इस साल 25 जनवरी को अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने राणा के प्रत्यर्पण को मंजूरी दी थी।

इससे पहले 21 जनवरी को कोर्ट ने राणा की निचली कोर्ट के फैसले की समीक्षा करने की अपील को खारिज किया था।

हाल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अमेरिका यात्रा के दौरान राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी राणा के प्रत्यर्पण की घोषणा की थी।

राणा का जन्म पाकिस्तान में हुआ था। उसने मेडिकल की पढ़ाई की है और पाकिस्तान सेना में 10 साल डॉक्टर रह चुका है।

1997 में वह कनाडा चला गया, जिसके 3 साल बाद उसने अमेरिका के शिकागो में इमीग्रेशन का काम शुरू किया।

उसके पास कनाडाई नागरिकता है, लेकिन वह शिकागो में रहता है।

राणा पर आरोप है कि उसने 2006 से लेकर नवंबर, 2008 तक पाकिस्तान में मुंबई हमलों के मास्टरमांइड डेविड हेडली के साथ मिलकर पूरी साजिश रची।

26 नवंबर, 2008 को मुंबई में आतंकी हमला हुआ था। तब समुद्र के रास्ते पाकिस्तान से आए पाकिस्तानी आतंकियों ने ताज होटल समेत 6 जगहों पर हमले किए थे।

हमले में विदेशी नागरिकों समेत 175 लोगों की मौत हुई थी, जबकि कई सैंकड़ों घायल हुए थे। 4 दिनों तक तक चले आतंकरोधी अभियान के बाद सुरक्षाबलों ने 9 आतंकियों को मौके पर ही मार गिराया था।

इसी तरह एक जिंदा पकड़े गए आतंकी अजमल कसाब को फांसी दी गई थी।

## दिल दहलाने वाली घटना: पति ने कुल्हाड़ी से पत्नी को उतारा मौत के घाट, फिर फांसी लगाकर कर ली खुदकुशी

**सीधी ।** आरएनएस

जिले के बहरी थाना अंतर्गत सिहौलिया में दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। पति ने पत्नी को कुल्हाड़ी से काटकर मौत के घाट उतार दिया और फिर आरोपी पति ने भी फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। पति के इस कदम से पूरे गांव में सनसनी फैल गई है। ग्रामीण सिर्फ इस हत्याकांड की ही चर्चा कर रहे हैं। फिलहाल घटना का वास्तविक कारण सामने नहीं आया है। हत्या आत्महत्या की वजह को घरेलू विवाद के रूप में देखा जा रहा है।

दरअसल 34 वर्षीय मृतक निवासी सिहोलिया थाना बहरी का रहने वाला था। उसने अपनी 30 वर्षीय पत्नी की हत्या कर खुद फांसी के फंदे पर झूल गया है। पति द्वारा पत्नी के ऊपर धारदार टांगी से गर्दन पर कई वार किया और पत्नी की मौत के बाद कमरे के अंदर जाकर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की सूचना पर बहरी पुलिस तत्काल घटनास्थल पर पहुंची और जांच में जुट गई। दोनों शव को कब्जे में लेकर आगे की कार्यवाही कर रही है। पुलिस अधीक्षक डॉ रविन्द्र वर्मा ने बताया कि आये दिन पति पत्नी में झगड़ा होता था जिसके कारण घटनाक्रम को अंजाम दिया होगा। बहरहाल पूरे मामले की जांच की जा रही है।

## श्रीलंकाई नौसेना ने 14 भारतीय मछुआरों को किया गिरफ्तार

**रामेश्वरम (तमिलनाडु) ।** आरएनएस

श्रीलंकाई नौसेना द्वारा सीमा पार से मछली पकडऩे के आरोप में पंबन क्षेत्र से 14 मछुआरों को गिरफ्तार किए जाने से भारत और श्रीलंका के बीच मछुआरों का मुद्दा फिर से गरमा गया है. रामेश्वरम मछुआरा संघ के अनुसार गिरफ्तार किए गए मछुआरों को जांच के लिए मन्नार नौसैनिक अड्डे पर ले जाया गया है.

यह घटनाक्रम पिछले महीने 23 फरवरी को हुई एक समान घटना के बाद सामने आया है, जिसमें श्रीलंकाई अधिकारियों ने द्वीप राष्ट्र के जलक्षेत्र में प्रवेश करने के आरोप में 32 भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार किया था और उनकी पांच नौकाएं जब्त कर ली थीं. श्रीलंकाई नौसेना ने एक बयान जारी कर बताया था कि इन मछुआरों को मन्नार के उत्तर में एक विशेष अभियान के दौरान पकड़ा गया था.

इन ताजा गिरफ्तारियों के साथ, इस साल अब तक लगभग 150 भारतीय मछुआरों को श्रीलंकाई नौसेना द्वारा गिरफ्तार किया जा चुका है और 18 नौकाएं जब्त की गई हैं. यह आंकड़ा चिंताजनक है और दोनों देशों के बीच मछुआरों के मुद्दे की गंभीरता को दर्शाता है.

मछुआरों का मुद्दा भारत और श्रीलंका के बीच लंबे समय से एक विवादास्पद विषय रहा है. पाक जलडमरूमध्य क्षेत्र में मछली पकडऩे को लेकर दोनों देशों के मछुआरों के बीच अक्सर टकराव होता रहता है. अतीत में, श्रीलंकाई नौसेना द्वारा कथित तौर पर भारतीय मछुआरों पर गोलीबारी करने और उनकी नौकाओं को जब्त करने की घटनाएं भी सामने आई हैं, जिससे तनाव और बढ़ गया है.

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने इस मुद्दे पर गहरी चिंता व्यक्त की है और केंद्र सरकार से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है. उन्होंने प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर इस समस्या का स्थायी समाधान खोजने के लिए एक संयुक्त कार्य समूह गठित करने का आग्रह किया है.

स्टालिन ने अपने पत्र में कहा, मैं यह पत्र गहरी पीड़ा के साथ लिख रहा हूं, क्योंकि हाल के दिनों में श्रीलंकाई नौसेना द्वारा तमिलनाडु के मछुआरों को पकड़े जाने की घटनाओं में चिंताजनक वृद्धि हुई है... इसलिए मैं एक बार फिर इस लंबे समय से लंबित मुद्दे का स्थायी समाधान खोजने के लिए संयुक्त कार्य समूह को तुरंत बुलाने के अपने पिछले अनुरोध को दोहराता हूं. यह विशेष रूप से महत्वपूर्ण है, क्योंकि इन आशंकाओं के कारण हमारे मछुआरों के परिवारों की आजीविका गंभीर रूप से प्रभावित हुई है.

## ओडिशा के पारादीप बंदरगाह पर भीषण आग, दमकल की 13 गाड़ियों ने पाया काबू

**भुवनेश्वर ।** आरएनएस

ओडिशा के पारादीप बंदरगाह पर भीषण आग लग गई. आग लगने से कम से कम 17 नाव जलकर खाक हो गईं. इस दौरान, गैस का टैंक भी फट गया, जिससे लोग घबरा गए. आग बुझाने के लिए दमकल की 13 गाडिय़ों को बुलाया गया. इसके अलावा, कटक से भी दमकल की और गाडिय़ों को मंगवाना पड़ा. आग बुझाने के दौरान, एक व्यक्ति आग की चपेट में आ गया. वह इससे घायल हो गया. इलाज के लिए उसे अस्पताल में भर्ती करवाया गया है.

दरअसल, पोर्ट के जेटी नंबर- 1 में खड़ी नाव पर सबसे पहले आग लगी, इसके बाद एक के बाद एक करके बाकी नावों में आग लग घई. आग इतनी भयंकर थी कि तीन किलोमीटर दूर से आग दिखाई दी.

आग लगने के कारण मौके पर भीड़ न लगे, इसके लिए पारादीप, मरीन, जटाधार एस्टूरी, लॉक और अभयचंदपुर पुलिस स्टेशनों की पुलिस मौके पर पहुंच गई. आग लगने का असल कारण तो सामने नहीं आया है पर आशंका जताई जा रही है कि नाव में खाना पकाया जा रहा था, इस दौरान गैस रिसाव हो गया और आग लग गई. सबी नाव में डीजल और गैस के टैंक होते हैं, जिस वजह से आग आग काफी ज्यादा तेज फैल गई. आग जोर-जोर से जल रही थी. वजह थी कि नाव पर गैस, लकड़ी, जाल और फाइबर जैसी चीजें वहां थी. आग के कारण 10 से ज्यादा गैस के टैंक भी फट गए.

बता दें, मछली पकडऩे वाले के बंदरगाह में करीब 650 बड़ी नावें और 400 नौकाएं होती हैं. नौकाएं कई-कई दिनों तक समुद्र के गहरे पानी में मछली पकडऩे जाती हैं. इसलिए उनके पास 500 लीटर से लेकर 3000 हजार लीटर तक के डीजल भंडारण की क्षमता होती है. चूंकि नाव कई-कई दिनों तक समुद्र में ही रहती है, इसलिए खाना पकाने के लिए नाव में आवश्यक जाल, गैस सिलेंडर और लकडिय़ां वगैरह पड़ी होती हैं. इनकी वजह से आग और तेजी से फैल गई. आग पर काबू पा लिया गया है.

## स्टार्टअप में नुकसान होने से सॉफ्टवेयर इंजीनियर टूटा, 12वीं मंजिल से कूदकर दी जान

**बेंगलुरु ।** आरएनएस

कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु में 30 वर्षीय एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर ने स्वास्थ्य समस्याओं और स्टार्टअप में हुए नुकसान की वजह से अपनी जान दे दी।

युवक की पहचान मयंक राजानी के रूप में हुई है, जिन्होंने कुडलू के पास हरलुर रोड पर स्थित अपने अपार्टमेंट की 12वीं मंजिल से कूदर आत्महत्या की है।

जिस समय उन्होंने अपनी जान दी, उस समय उनकी महिला मित्र बेडरूम में सो रही थी। घटना 4 मार्च सुबह 6 बजे की बताई जा रही है।

राजानी मूल रूप से उत्तर प्रदेश के लखनऊ के रहने वाले हैं। वह 2018 में बेंगलुरु चले गए थे और घर के ही पास एक सॉफ्टवेयर कंपनी में काम करते थे।

घटना की सूचना के बाद उनके पिता मनोहर लाल बेंगलुरु पहुंचे और परप्पना अग्रहारा पुलिस में अपनी शिकायत दी है। हालांकि, उन्होंने किसी पर आरोप नहीं लगाया है।

राजानी एक अन्य सॉफ्टवेयर इंजीनियर के साथ अपना कमरा साझा करते थे और यह बात दोनों के परिवारों को पता थी।

परिवार ने पुलिस को बताया कि राजानी की रीढ़ की हड्डी का ऑपरेशन हुआ था, जिसका दर्द बना रहा था। इसको लेकर उसकी दवाएं भी चल रही थी।

परिवार का कहना है कि राजानी ने अपनी बचत की गई रकम और परिवार से कुछ उधार रुपये लेकर स्टार्टअप शुरू किया था, जिसमें उसे नुकसान हुआ।

इसके बाद से राजानी काफी मानसिक रूप से परेशान रहने लगा। आत्महत्या का कारण मानसिक परेशानी और स्वास्थ्य कारण बताया जा रहा है।

## अप्रैल में श्रीलंका दौरे पर जाएंगे पीएम नरेंद्र मोदी, द्विपक्षीय मुद्दों पर हो सकती है चर्चा

**नईदिल्ली ।** आरएनएस

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अप्रैल महीने के पहले सप्ताह में श्रीलंका के दौरे पर जा सकते हैं। दरअसल श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमार दिसानायके के अधिकारिक निमंत्रण पर पीएम मोदी का यह दौरा होगा। पीएम मोदी की इस यात्रा से भारत और श्रीलंका के बीच द्विपक्षीय संबंध मजबूत होंगे। दरअसल 2 से 4 अप्रैल तक बैंकॉक में बंगाल की खाड़ी बहुक्षेत्रीय तकनीक और आर्थिक सहयोग पहल (बिम्सटेक) शिखर सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें पीएम मोदी शामिल होंगे। ऐसा माना जा रहा है कि इसके बाद पीएम नरेंद्र मोदी श्रीलंका जा सकते हैं। वहीं संभावना ये है कि इस दौरान दोनों देशों को मुखियाओं के बीच द्विपक्षीय मुद्दों पर चर्चा हो सकती है।

बता दें कि दिसंबर 2024 में श्रीलंका के राष्ट्रपति दिसानायके भारत के तीन दिवसीय दौरे पर आए थे। इस दौरान उन्होंने पीएम नरेंद्र मोदी को जल्द से जल्द श्रीलंका आने का न्यौता दिया। यह उनकी पहली विदेशी यात्रा थी, जिसमें उन्होंने भारतीय नेतृत्व और व्यापारिक समुदाय के साथ गहन चर्चा की। इस दौरान अपनी यात्रा को उन्होंने सफल बनाया और दोनों देशों के बीच रिश्ते को प्रगाढ़ करने की आवश्यकता पर जोर दिया। बता दें कि यह पहली बार नहीं होगा जब पीएम नरेंद्र मोदी श्रीलंका के दौरे पर जाएंगे। साल 2014 के बाद से पीएम नरेंद्र मोदी अबतक तीन बार श्रीलंका की यात्रा कर चुके हैं।

ऐसी संभावना जताई जा रही पीएम नरेंद्र मोदी की श्रीलंका यात्रा से भारत और श्रीलंका दोनों ही देशों के बीच जन केंद्रित साझेदारी को रफ्तार मिलेगी। यह दौरा कूटनीतिक, राजनीतिक, व्यापारिक और आर्थिक रूप से अहम होगा। बता दें कि पीएम नरेंद्र मोदी इससे पहले मार्च 2015 में श्रीलंका यात्रा पर गए थे। यह 1987 के बाद किसी भी भारतीय प्रधानमंत्री की पहली यात्रा थी। इसके बाद मई 2017 में और फिर जून 2019 में ईस्टर संडे के आतंकवादी हमलों के बाद एकजुटता दिखाने के लिए पीएम मोदी ने कोलंबो का दौरा किया।

## मनमोहन सिंह के परिवार ने दी समाधि की मंजूरी, राष्ट्रीय स्मृति स्थल पर बनेगा स्मारक

**नईदिल्ली ।** आरएनएस

पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के परिवार ने उनकी समाधि के लिए अपनी लिखित मंजूरी दे दी है। डॉ सिंह की समाधि दिल्ली में राजघाट के निकट राष्ट्रीय स्मृति स्थल पर 900 वर्ग मीटर के भूखंड पर बनेगा।

रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले सप्ताह परिवार ने राष्ट्रीय स्मृति स्थल का दौरा किया था, जिसके बाद डॉ सिंह की पत्नी गुरशरण कौर ने सरकार को स्वीकृति पत्र भेजा है।

निरीक्षण के दौरान सिंह की बेटियां उपिंदर और दमन भी मौजूद थीं।

रिपोर्ट के मुताबिक, स्मृति स्थल पर सिर्फ 2 भूखंड खाली पड़े थे, जिनमें एक भूखंड इस साल जनवरी में पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी के परिवार को दिया गया था।

दूसरा 900 वर्ग मीटर का भूखंड स्मृति स्थल के बीच में है, जो अब सिंह के परिवार को दिया गया है।

उपिंदर ने बताया कि भूमि एक ट्रस्ट को आवंटित की जानी है, वे स्मारक के लिए 25 लाख रुपये तक के एकमुश्त अनुदान के लिए आवेदन कर सकते हैं।

कांग्रेस के नेतृत्व वाली संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन सरकार में 2013 में सिंह के प्रधानमंत्री रहते हुए केंद्रीय मंत्रिमंडल ने राजघाट के पास एक साझा स्मारक भूमि के निर्माण को मंजूरी दी थी।

तब मंत्रिमंडल ने यह भी कहा था कि दिवंगत पूर्व राष्ट्रपतियों, उपराष्ट्रपतियों, प्रधानमंत्रियों का अंतिम संस्कार भी स्मृति स्थल पर किया जाएगा। हालांकि, सिंह का अंतिम संस्कार निगम बोध घाट पर हुआ था।

परिसर में 9 समाधि स्थल हैं, जिनका वास्तुशिल्प डिजाइन समाधि स्थल के समान है।

राष्ट्रीय स्मृति स्थल परिसर में कुल 9 स्मारक हैं, जिसमें पूर्व प्रधानमंत्री नरसिम्हा राव, इंद्र कुमार गुजराल, अटल बिहारी वाजपेयी, चंद्रशेखर, पूर्व राष्ट्रपति आर. वेंकटरमन, पूर्व राष्ट्रपति ज्ञानी जैल सिंह, प्रणब मुखर्जी, के आर नारायणन और मनमोहन सिंह शामिल हैं।